# सौ वर्ष पूरे होने पर गंग नहर को 1,717 करोड़ रूपए की सौगात- भजनलाल

## मुख्यमंत्री ने गन्ने के समर्थन मूल्य में 15 रूपए प्रति क्विंटल बढ़ाने की घोषणा की

श्रीगंगानगर/जयपुर, 5 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को श्रीगंगानगर के साधुवाली में गंग नहर शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 100 वर्ष पूर्व 5 दिसंबर 1925 को महाराजा गंगा सिंह ने रेगिस्तान को हरा-भरा बनाने के संकल्प के साथ गंग नहर का शिलान्यास किया था। उसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए हमारी सरकार ने गंग नहर के पुनरुद्धार हेतु 1 हजार 717 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी है। उन्होंने कहा कि यह अवसर मरुस्थल को अन्न भंडार में बदलने की दूरदर्शी सोच का पर्व है।

उन्होंने कहा कि 647 करोड़ रुपये से फिरोजपुर फीडर के पुनर्निर्माण से पानी की नियमित आपूर्ति में स्थिरता आएगी और पूरे नहर तंत्र की जीवन क्षमता बढ़ेगी। साथ ही, 300 करोड़ रुपये से बीकानेर कैनाल के पुनरुद्धार से सीधे तौर पर लाखों किसानों को लाभ मिलेगा। सीएम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इतने सालों तक सत्ता में रहने वाली कांग्रेस ने कभी फिरोजपुर आकर देखा क्या। कांग्रेस केवल झूठे वादे करती रही और कुछ नहीं किया। तीन बार सीएम रहे अशोक गहलोत ने कभी श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ की नहरों के बारे में सोचा क्या?

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को श्रीगंगानगर के साधुवाली में गंग नहर शताब्दी समारोह में भाग लिया। इस अवसर कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गन्ने के वर्तमान समर्थन मूल्य को 15 रूपये बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि गेती किस्म के गन्ने के लिये समर्थन मूल्य 401 रु. प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 416 रू. प्रति क्विंटल, मध्यम किस्म के लिये 391 रू. प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 406 रू. प्रति क्विंटल, पछेती किस्म के लिये 386 रु. प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 401 रु. प्रति क्विंटल किया गया है।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने सभा स्थल पर जल संसाधन विभाग की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी में विभिन्न प्रोजेक्ट मॉडल्स का अवलोकन किया। और सभा स्थल के नजदीक गंगनहर का विधिवत् पूजन किया।

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने गंग नहर शताब्दी समारोह में कहा कि महाराजा गंगा सिंह की दूरदर्शी सोच ने मरुस्थल को अन्न भंडार में बदला।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन बार सीएम रहे अशोक गहलोत ने कभी श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ की नहरों के बारे में नहीं सोचा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने गंग नहर का गौरवशाली निर्माण करने वाले महाराजा स्व. श्री गंगा सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही, उन्होंने सादुलशहर में दो वर्षों में हुए विकास कार्यों पर आधारित पुस्तिका का भी विमोचन किया।

# प्रोटोकॉल से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण साबित हुई पुतिन की भारत यात्रा

## पुतिन की यात्रा का स्पष्ट मैसेज है, अंतर्राष्ट्रीय उथल-पुथल के बाद भी भारत और रूस के संबंध टिकाऊ, अनुकूलन में सक्षम और अटूट हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा, जो शुक्रवार शाम को समाप्त हुई, ने एक नए "द्विपक्षीय सहयोग" की शुरुआत की है, जिसे दोनों पक्षों के अधिकारियों ने "नए युग" के रूप में वर्णित किया है - जो पारंपरिक रक्षा संबंधों से कहीं आगे, व्यापक आर्थिक और भू-राजनीतिक क्षेत्रों तक फैला हुआ है।

राजनयिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि इस यात्रा का महत्व "प्रोटोकॉल से कहीं बड़ा" है, और यह वैश्विक समीकणों के बदलते परिप्रेक्ष्य में भारत-रूस संबंधों में एक निर्णायक पल का प्रतीक है।

रणनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, नवीनीकरण की ओर बढ़ता भारत-रूस समझौता, जिसे अनौपचारिक रूप से "2 जी साझेदारी" कहा जा रहा है, को कुछ विश्लेषकों द्वारा "नए 2 जी धुरी" के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें अमेरिका और चीन शामिल हैं।

वॉशिंगटन और मॉस्को के बीच यूक्रेन को लेकर तीव्र विरोधाभासों के साथ, और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा हाल ही में नई दिल्ली पर रूस से तेल खरीद रोकने के लिए दबाव डाले जाने के बाद, भारत और रूस के बीच नवीनतम समझौते एक स्पष्ट संकेत हैं: भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने और वैश्विक साझेदारियों में विविधता लाने का इरादा रखता है।

- रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, भारत-रूस संबंध, जिन्हें अनौपचारिक रूप से "2जी पार्टनरशिप" कहते हैं, को अमेरिका व चीन के "नई 2जी धुरी" को संतुलित करने में सक्षम हैं।
- रूस से तेल नहीं खरीदने के अमेरिका के भारी दबाव के बावजूद भारत ने रूस के साथ नए समझौते करके यह जता दिया है कि वह किसी के दबाव में नहीं आएगा और अपने अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में विविधता रखेगा।

यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब चीन ने एलएसी के साथ भारत पर कूटनीतिक और सैन्य दबाव बढ़ा दिया है। वार्ता से परिचित अधिकारियों का कहना है कि मॉस्को ने रक्षा सहयोग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और संयुक्त उत्पादन को गहरे स्तर पर बढ़ाने की स्पष्ट इच्छाशक्ति दिखाई है-यह वह क्षेत्र है जहां ऐतिहासिक रूप से रूसी समर्थन ने भारत के लिए एक स्थिर भूमिका निभाई है।

आर्थिक दृष्टि से भी, यह नवीनीकरण परिवर्तनकारी हो सकता है। रूस ऊर्जा, अंतरिक्ष और परमाणु सहयोग में लंबे समय से एक विश्वसनीय साझेदार रहा है, लेकिन इस यात्रा ने सहयोग के नए क्षेत्रों के लिए द्वार खोल दिया है। मॉस्को में सेवा दे चुके एक पूर्व भारतीय राजनयिक ने कहा कि उभरती हुई साझेदारी "भारतीय श्रमिकों के लिए महत्वपूर्ण अवसर" उत्पन्न कर सकती है, विशेष रूप से निर्माण और अवसंरचना क्षेत्रों में। रूस द्वारा यूक्रेन संघर्ष से प्रभावित प्रमुख शहरों और क्षेत्रों के पुनर्निर्माण की योजना के साथ, कुशल और अर्ध-कुशल श्रमबल की मांग में तीव्र वृद्धि होने की संभावना है।

स्रोतों का कहना है कि जैसे ही यूक्रेन संघर्ष में शामिल पक्षों द्वारा औपचारिक और स्थायी संघर्षविराम की घोषणा की जाएगी, कई ढपर "अवसरों की खिड़कियाँ" खुलेंगी - जिनमें निर्माण और इंजीनियरिंग से लेकर आईटी सेवाएं, औषधि, कृषि और ऊर्जा लॉजिस्टिक्स तक शामिल हैं।

नई दिल्ली के लिए, यात्रा का संदेश स्पष्ट है: वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद, भारत-रूस साझेदारी मजबूत, अनुकूलनीय और रणनीतिक रूप से अपरिहार्य बनी हुई है।

## 'आतंक के खिलाफ ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

बनाए रखने के लिए एक प्रमुख साझेदार मानता है, जबकि मॉस्को चीन के साथ अपने रिश्तों को गहरा करने के साथ-साथ, पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच संतुलन साधने की कोशिश कर रहा है।

पश्चिमी पर्यवेक्षकों ने भी तुरंत प्रतिक्रिया दी। वाशिंगटन और यूरोपीय राजधानियों के लिए, यह बयान इसके शाब्दिक अर्थ के लिए नहीं, बल्कि इसके द्वारा दिखाए गए रूस के उस प्रयास के लिए महत्वपूर्ण था, जो रणनीतिक स्वायत्तता की ओर इशारा करने और एशियाई भू-राजनीति में प्रासंगिकता बनाए रखने के लिये किया जा रहा है। अमेरिका के विश्लेषकों ने यह बताया कि पुतिन के शब्द एक बड़ी कूटनीतिक योजना का हिस्सा थे, जिसका उद्देश्य यह प्रदर्शित करना था कि रूस बीजिंग के अलावा, अन्य साझेदारों के साथ भी अपने रिश्ते बनाए हुये है।

जैसे-जैसे प्रारंभिक हलचल शांत हो रही है, यह जरुर स्पष्ट हो रहा है कि पुतिन के विशेष अंदाज में कहे गये इस एक अकेले वाक्य ने क्षेत्रीय व्याख्या, चिंता और रणनीतिक विश्लेषण का एक नया अध्याय खोल दिया है। चाहे यह एक वास्तविक बदलाव का संकेत हो या मात्र एक भाषाई अलंकरण का पल, इसका प्रभाव पूरे उपमहाद्वीप में महसूस किया जा रहा है।

## 'अमेरिका ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

हैं जो दबाव के आगे आसानी से झुक जायें।" व्यापार के संदर्भ में पुतिन ने कहा कि अब 90 प्रतिशत से अधिक द्विपक्षीय लेन-देन राष्ट्रीय मुद्राओं में किए जाते हैं, हालांकि बिचोलियों के कारण जटिलताएँ उत्पन्न हो जाती हैं।

ट्रम्प के साथ अलास्का में हुए हालिया विचार-विमर्श का जिक्र करते हुए पुतिन ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति का "गंभीर (सिन्सियर) उद्देश्य" "वैश्विक संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान" है और वे रूस के साथ रिश्तों को सुधारने में आर्थिक लाभ देखते हैं।

## अनिल अंबानी ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

गयीं संपत्तियों में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की सात सम्पत्ति ,रिलायंस पावर लिमिटेड की दो सम्पत्ति, रिलायंस वैल्यू सर्विस प्राइवेट लिमिटेड की नौ सम्पत्ति, रिलायंस वैल्यू सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, रिलायंस वेंचर एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, फी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, आधार प्रॉपर्टी कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड, गेम्स इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर फिक्स्ड डिपॉजिट और रिलायंस वेंचर एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड और फी मैनेजमेंट सोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा असूचीबद्ध निवेश में किए गए निवेश भी शामिल हैं। इससे पहले, ईडी ने रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरसीओएम), रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड से जुड़े बैंक फ्रॉड मामलों में 8,997 करोड़ रुपये से ज़्यादा की सम्पत्तियों को जब्त किया था।

## इंडिगो की एक ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

शनिवार को भी करीब सैकड़ों उड़ानों के रद्द रहने की आशंका है।

इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एलबर्स ने एक वीडियो मैसेज में प्रभावित यात्रियों से माफी मांगते हुए बताया कि पिछले कुछ दिनों में एयरलाइंस ने परिचालन संबंधी गंभीर समस्या का सामना किया है और यह संकट लगातार बढ़ ता गया। इसमें 05 दिसंबर सबसे अधिक प्रभावित दिन रहा, जब 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ीं।

एलबर्स ने बताया कि शनिवार को 1,000 से कम उड़ानें रद्द होने की उम्मीद है, और 10 से 15 दिसंबर के बीच स्थिति पूरी तरह सामान्य होने का अनुमान है।

## केन्द्रीय ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

करने का प्रस्ताव भी दिया था, जिससे राष्ट्रपति को इस केन्द्र शासित क्षेत्र के लिए नियम बनाने का अधिकार मिलता, लेकिन सरकार को यह विचार भी छोड़ना पड़ा। इस महीने की शुरुआत में, केन्द्र को भाजपा-शासित हरियाणा को अलग विधानसभा परिसर बनाने के लिए भूमि आवंटित करने का अपना फैसला भी वापस लेना पड़ा था।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908